सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 82 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 26 अप्रैल, 2025

मूल्य ₹ 3/-

बुरी संगत में रहने से अच्छा है अकेले रहना।
जार्ज वाशिंगटन

प्लेऑफ की रेस से चेन्नई और राजस्थान... 7 | महाराष्ट्र में फिर उठ रहे सियासी... 3 | भाजपा सरकार को किसानों की... 2

एनडीए सरकार को झटका, ईडी को फटकार

सोनिया गांधी व राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से कोर्ट ने किया इनकार

» **नेशनल हेराल्ड मामला : अदालत ने 2 मई को तय की अगली सुनवाई**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। अदालत ने अगली सुनवाई 2 मई को तय की है। अदालत ने ईडी से और अधिक प्रासंगिक दस्तावेज लाने और खामियों को दूर करने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने तर्क दिया कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत, आरोपी को सुने बिना शिकायत (आरोप पत्र) पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। ईडी ने अदालत से आग्रह किया कि हम नहीं चाहते कि यह आदेश लंबा खिंचे। नोटिस जारी किया जाए।

हालांकि, न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत को पहले इस तरह के नोटिस जारी करने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त होना चाहिए, उन्होंने टिप्पणी कि वह संतुष्ट होने तक ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकता। जज ने कहा अदालत को मामले में कमियों को दूर करना चाहिए। अहलमद (कोर्ट रिकॉर्ड कीपर) द्वारा बताए गए आरोपपत्र में गायब दस्तावेजों को उजागर करते हुए, जज ने ईडी को आवश्यक दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया।

अदालत के धैर्य की परीक्षा न लें दिल्ली सरकार और डीडीए

जिला न्यायिक अधिकारियों के लिए सरकारी आवासों के निर्माण में हो रही देरी पर हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को आड़े हाथ लिया है। दिल्ली सरकार और डीडीए को फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि अदालत के धैर्य की परीक्षा न लें। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि अदालत के पूर्व के अनुरोध पर कोई ध्यान नहीं दिया गया और अदालत को वस्तुत: भीख मांगनी पड़ती है। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने आयुक्त (भूमि प्रबंधन) को न्यायिक अधिकारियों के लिए वैकल्पिक फ्लैटों की उपलब्धता सहित उसके आदेशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों पर एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। साथ ही डीडीए के निदेशक (संस्थागत भूमि) को मई में होने वाली अगली सुनवाई में उपस्थित रहने को कहा।

समय का पहिया घूमा, 'लाल सलाम' से गूंजा जेएनयू कैंपस

एबीवीपी पर भारी पड़ा लेफ्ट जेएनयू छात्र संघ में फिर परचम

उम्मीदवारों ने भारत 'जोड़ो यात्रा' के सहारे लड़ा था चुनाव

» अध्यक्ष समेत चार पदों पर लेफ्ट उम्मीदवार जीते

» एबीवीपी की नहीं चली हिंदूवादी राजनीतिक तिकड़मबाजी

» दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लगाया था एबीवीपी की जीत के लिए पूरा जोर

» राहुल गांधी की छात्र संसद का दिखा असर

» प्रेसीडेंशियल डिबेट में महंगाई, रोजगार और अर्थव्यवस्था पर धनंजय ने मांगे थे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जब दिल्ली की आबो हवा में भगवा परचम पूरी शिद्दत के साथ लहरा रहा हो तब ऐसे समय में लेफ्ट की लाल लहर में दिल्ली का डूब जाना महज संयोग नहीं छात्रों का प्रयोग लगता है। जी हां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जेएनयू छात्र संघ चुनाव में आरएसएस के छात्र संगठन अखिल भारतीय विधायर्थी परिषद को करारी हार मिली है और **वहां लेफ्ट का लाल सलाम गूंजा हैं। देर रात आये चुनावी परिणाम में अध्यक्ष पद पर लेफ्ट के धनंजय ने एबीवीपी के उमेश चंद्र अजमीरा को हरा दिया है।**

लेफ्ट के अविजीत घोष उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए। सचिव पद पर लेफ्ट के उम्मीदवार मोहम्मद साजिद ने जीत दर्ज की है। गौरतलब है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की जीत के लिए पूरा जोर लगाया था। उन्हें मुख्यमंत्री यही सोच कर बनाया गया था कि जेएनयू में एबीवीपी को निर्णायक बढ़त मिले। लेकिन ऐसा नहीं हो सका और एबीवीपी चारो खाने चित हो गयी। सूत्रों की माने तो रेखा गुप्ता की राजनीति को जेएनयू चुनाव में मिली हार आने वाले समय में प्रभावित कर सकती है।

जीत का अंतर आधे से ज्यादा

अध्यक्ष पद पर चुनाव जीते धनंजय को 2598 वोट मिले हैं जबकि दूसरे नंबर पर एबीवीपी के उमेश चन्द्र अजमीरा रहे। उन्हें कुल 1676 वोट मिले। वाइस प्रेसिडेंट के पद पर लेफ्ट के कैंडिडेट अविजीत घोष ने बाजी मारी है उन्हें 2409 वोट मिले जबकि रनरअप रही एबीवीपी की दीपिका शर्मा को कुल 1482 वोटों से ही संतोष करना पड़ा।

'जीत कैंपस इवेंट नहीं'

जेएनयू में वामपंथ की यह जीत प्रतीकात्मक है और यह दर्शाती है कि देश में अब भी सोचने वाले लोग बचे हैं। यह जीत उन विचारों की जीत है जो भारत को समावेशी, प्रगतिशील और लोकतांत्रिक बनाना चाहते है। छात्रों का स्पष्ट संदेश है कि यह चुनाव महज एक कैम्पस इवेंट नहीं बल्कि भारत के लोकतंत्र का महत्वपूर्ण पड़ाव बन रहा है।

इस बार हुई रिकार्ड वोटिंग

जेएनयू में 2019 में 67.9 प्रतिशत, 2018 में 67.8 प्रतिशत, 2016-17 में 59 प्रतिशत, 2015 में 55 प्रतिशत, 2013-14 में 55 प्रतिशत और 2012 में 60 प्रतिशत मतदान हुआ था। जेएनयूएसयू के केंद्रीय पैनल के लिए कुल 19 उम्मीदवार मैदान में थे, वहीं स्कूल काउंसिलर के लिए 42 लोगों ने किस्मत आजमाई। छात्र संघ अध्यक्ष पद के लिए आठ उम्मीदवारों के बीच मुकाबला था।

रोजगार के संकट पर पड़े वोट

ढोल की थाप के साथ जय भीम और लाल सलाम के नारें इस बार कैम्पस में जमकर गूंजे। छात्रसंघ अध्यक्ष पद पर विजय दर्ज कराने वाले धनंजय ने अपने पहले भाषण में कहा था कि हम केवल छात्र नहीं हैं हम देश के भविष्य हैं। यदि हमारी आवाज़ को आज कुचल दिया गया तो कल संसद में सन्नाटा होगा। इस चुनाव में किसानों की आत्महत्या, अनुसूचित जातियों पर हो रहे अत्याचार, विश्वविद्यालयों में बढ़ती फीस, और रोजगार के संकट जैसे मुद्दे उठाए गए। इस बार का जेएनयू चुनाव इसलिए भी खास रहा कि इस बार से ज्यादा वोटिंग चुनावी इतिहास में कभी नहीं हुई। इस बार 73 फीसदी मतदान हुआ। जेएनयू चुनाव दो चरणों में हुए। 7,700 से ज्यादा रजिस्टर्ड मतदाताओं ने गुप्त मतदान के जरिए अपना वोट डाला। मतदान के लिए विभिन्न अध्ययन केंद्रों में कुल 17 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

देश की राजनीति पर पड़ेगा असर

जेएनयू चुनाव परिणामों का असर आने वाले समय में देश की राजनीति पर पड़ना तय है। राजनीतिक पार्टियों को यह समझना होगा कि छात्र और युवा वर्ग केवल राष्ट्रवाद, मंदिर/मस्जिद या विदेश नीति से नहीं, बल्कि शिक्षा, आर्थिक न्याय, और सामाजिक समावेशिता जैसे मुद्दे चाहता है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी, या आम आदमी पार्टी–सभी को अपनी रणनीति में इन्हें हर हाल में शामिल करना होगा। भाजपा के लिए यह एक चेतावनी है कि विचारधारा थोपी नहीं जा सकती। उसे अर्जित करना पड़ता है। और यदि कैंपस के युवाओं ने आपका विचार नकार दिया, तो भविष्य में संसद और विधानसभाओं में भी आपकी राह आसान नहीं होगी।

भाजपा सरकार को किसानों की नहीं उद्योगपतियों की चिंता : अखिलेश यादव

आढ़तियों की मिली भगत से किसान को पहुंचाया आर्थिक नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा इस सरकार ने किसानों और नौजवानों को धोखा दिया है। किसानों को उनकी फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। सरकारी गेंहू खरीद केन्द्रो पर गेंहू की खरीद नहीं हो रही है। भाजपा सरकार के लोग बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों से मिले हुए है।

सरकार की उद्योगपतियों और आढ़तियों से मिली भगत है इसीलिए बड़े कारोबारियों के सहारे आढ़तियों के माध्यम से गेंहू खरीद हो रही है। सरकार ने आढ़तियों पर दबाव बनाया है कि गेंहू ज्यादा महंगा न खरीदे। इसीलिए किसानों को गेंहू की सही कीमत नहीं मिल रही है। भाजपा सरकार को किसानों की नहीं, उद्योगपतियों की चिंता है। भाजपा चाहती है कि उद्योगपतियों का मुनाफा हो। उद्योगपति सस्ता गेहूं खरीदकर आटा का पैकेट बनाकर महंगे दाम पर बेचनेऔर मुनाफा कमाएंगे।

श्रीपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी के खिरिया में स्व श्रीपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि श्रीपाल यादव पार्टी के समर्पित नेता थे। उन्होंने जीवन भर पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों, सिद्धातों को आम जनता तक पहुंचाने का काम किया। उन्होंने स्व श्रीपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण के लिए उनके परिजनों और पार्टी के नेताओं को बधाई दी।

हमारी फौज बहुत बहादुर

अखिलेश यादव ने सेना की तारीफ करते हुए कहा कि हमारी फौज बहुत बहादुर है। दुनिया में किसी देश के पास इतनी बहादुर सेना नहीं है। हमारी सेना के जवान कठिन परिस्थितियों में सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं। एक तरफ बॉर्डर पर वे 50 डिग्री तापमान में सीमा की सुरक्षा करते हैं वहीं दूसरे बार्डर पर माइनस पचास डिग्री तापमान में भी सुरक्षा करते हैं। लेकिन आज चर्चा हो रही है कि सेना में एक लाख से ज्यादा जवानों की कमी है। सेना में जवानों की भर्ती नहीं हो रही है। सरकार बजट बचाना चाहती है। इसी तरह भाजपा सरकार सेना में अग्निवीर व्यवस्था लेकर आयी है। सरकार बजट बचाने के लिए सेना में अग्निवीर योजना लेकर आयी है। देश का नौजवान पक्की वर्दी और पक्की नौकरी चाहता है। अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी जब देश के रक्षा मंत्री थे तो उन्होंने फैसला लिया कि जवान के शहीद होने पर उसके पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ उसके घर पहुंचाया जायेगा, तब भी बजट की बात आयी थी, लेकिन नेताजी ने कहा था कि चाहे जितना भी बजट खर्च हो जाये लेकिन अगर गरीब, किसान परिवार का बेटा सीमा पर शहीद होगा तो पूरे सम्मान के साथ उसके घर परिवार तक पहुंचाएंगे।

पहलगाम घायलों को जो सुविधा और मदद मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली

प्रतिमा अनावरण के बाद श्री अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला सुरक्षा में चूक और इंटेलिजेंस फेल्योर है। लोगों से बातचीत और विभिन्न स्रोतों से जानकारियां मिल रही है कि इस घटना के मामले में इंटेलिजेंस फेल हुआ है। इसके साथ ही हमले के बाद समय रहते घायलों को जो मेडिकल सुविधा और मदद मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली। जो कार्रवाई होनी चाहिए थी, वह भी नहीं हो पायी। अखिलेश यादव ने कहा कि यह देश का सवाल है। समाजवादी पार्टी समेत सभी विपक्षी दल, पूरा देश केन्द्र सरकार के साथ खड़ा है। केन्द्र सरकार ऐसी घटना के खिलाफ कड़ा से कड़ा कदम उठाये। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं मैनपुरी के जिलाध्यक्ष श्री आलोक शाक्य, पूर्व विधायक राजकुमार यादव राजू समेत अन्य नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के लिए सबसे बड़ी गलती : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सिंधु जल संधि को निलंबित करने के केंद्र सरकार के फैसले पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, भारत सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, हम कभी भी सिंधु जल संधि के पक्ष में नहीं रहे हैं।

हमारा हमेशा से मानना रहा है कि सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे गलत है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने 1960 की सिंधु जल संधि पर तत्काल रोक लगाने का फैसला लिया है। 65 साल पहले की इस संधि पर रोक के बाद पाकिस्तान में जल संकट पैदा हो सकता है। ताजा घटनाक्रम में जल शक्ति मंत्री की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने पाकिस्तानी जल संसाधन मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखा है। भारत ने पाकिस्तान को लिखे पत्र में 1960 की जल संधि पर तत्काल रोक लगाने का फैसला लिया है। पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई के तहत भारत ने पाकिस्तान को सिंधु जल समझौता स्थगित करने का औपचारिक पत्र भेज दिया है। पत्र में सख्त भाषा में कहा गया है, सच्ची भावना से किसी संधि का सम्मान करने का उत्तरदायित्व ही उस संधि की बुनियाद होती है। मगर पाकिस्तान लगातार भारत के संघ शासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से आतंकवाद को जारी रखे हुए है। पाकिस्तान की इन कार्रवाइयों ने सुरक्षा अनिश्चितताएं पैदा की हैं।

पंजाब भाजपा के महासचिव ने दिया इस्तीफा

» जगमोहन सिंह राजू ने लगाया आरोप- संगठन चुनाव में हुई अनियमितता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व आईएएस अधिकारी जगमोहन सिंह राजू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ को भेज दिया है।

उन्होंने अपने इस्तीफे की प्रति भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और पंजाब प्रभारी विजय रूपाणी को भी भेजी है। उन्होंने असंतोष के कारण पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, पत्र में उन्होंने अपने इस्तीफे का कारण संगठन चुनाव में हुई अनियमितता बताया है। जगमोहन सिंह राजू ने आरोप लगाया कि पार्टी ने चुनावों में संविधान का उल्लंघन किया है। उन्होंने इस संबंध में भाजपा जिला अध्यक्ष पर आरोप लगाए हैं।

पहलगाम घटना के विरोध में मुस्लिमों ने फूंका पाक का झंडा

» कहा- उस देश को मिट्टी में मिलाने का समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पाकिस्तान का झंडा जलाकर गुस्से और गम का इजहार किया गया। शहर की तमाम मस्जिदों में कश्मीर सहित देश भर से आतंकवाद के खात्मे और अमन व शांति की दुआ मांगी गई।

साथ ही पाकिस्तान की साजिश को नाकाम करने के लिए आपसी मोहब्बत और एकता को मजबूत करने का आहवान किया गया। प्रदर्शन के बाद दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही पाकिस्तान और इसराइल को आतंकी देश घोषित करने की मांग भी उठाई गई। बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में जुमा की नमाज के बाद प्रदर्शन की अगुवाई करते हुए मजलिसे उलमा ए हिन्द के महासचिव मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने पाकिस्तान को पापिस्तान बताते हुए कहा कि पाकिस्तान से जिस तरह के बयान आए हैं उससे जाहिर होता है वो हिन्दू और मुसलमानों को आपस मे लड़ना चाहता है। लिहाजा हमें उसकी साजिश को नाकाम करने के लिए आपस मे मिलजुल कर मोहब्बत और एकता को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि जो भी लोग हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत फैलाना चाहते हैं वो चाहे हिंदू हो या मुसलमान वो पाकिस्तान के एजेंट हैं।

नमाजी काली पट्टी बांधकर शामिल हुए

टीले वाली मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजी काली पट्टी बांधकर शामिल हुए। नमाज के बाद पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। टीले वाली मस्जिद के इमाम मौलाना फजले मन्नान रहमानी ने दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। मौलाना ने कहा कि कोई भी मजहब बेगुनाहों की हत्या करने की इजाजत नही देता है। उन्होंने पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करने वालो को सख्त सजा देने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल स्व. डॉ कल्बे सादिक के बेटे शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे सिबतैन नूरी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पीओके में आतंकी शिविरों पर हमला कर खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद अगर में बेगुनाह मुसलमानों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता के लोग देश और हिंदुओं के दुश्मन है और नफरत का माहौल बनाना चाहते हैं। सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करें।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पहलगाम अटैक से हमारा दिल दुखी है : मीरवाइज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि इस सप्ताह एक बहुत ही दुखद घटना हुई, जिसने दिलों को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोगों की पहचान की गई, उनका धर्म पूछा गया और 25 से अधिक लोगों को उनके परिवारों के सामने मार दिया गया, हम इसकी निंदा करते हैं।

मीरवाइज उमर फारूक ने कहा, इस सप्ताह एक बहुत ही दुखद घटना हुई, जिसने हमारे दिलों को झकझोर कर रख दिया है। जिस तरह से लोगों की पहचान की गई, उनका धर्म पूछा गया और25 से अधिक लोगों को उनके परिवारों के सामने मार दिया गया... हम इसकी निंदा करते हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के तीन दिन बाद, विभिन्न दलों के राजनीतिक नेता जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में एकजुट हुए और 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। सर्वदलीय बैठक के बाद, सीएम उमर अब्दुल्ला ने सभी दलों द्वारा एक एकीकृत प्रस्ताव पारित करने की घोषणा की, जिसमें हमले की निंदा की गई और शांति और न्याय के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। सीएम ने कहा कि हम, जम्मू और कश्मीर की सर्वदलीय बैठक के प्रतिभागी, 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए हाल के बर्बर हमले से गहरे सदमे और पीड़ा में हैं।

महाराष्ट्र में फिर उठ रहे सियासी बवंडर

शरद पवार और अजित पवार के बीच पक रही नई खिचड़ी

- राहुल के चुनावों पर दिए बयान पर घमासान
- राज व उद्धव की नजदीकी से भी घूमी सियासत
- एक पखवाड़े में तीसरी बार मिले चाचा-भतीजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एकबार फिर महाराष्ट्र में सियासी सरगर्मी तेज है। जहां पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को लाने के लिए शिवेसना के नेता एकनाथ शिंदे कश्मीर पहुंचे हैं वहीं अन्य पार्टियां भी दुख की घड़ी में जहां पीड़ितों के साथ खड़ी है वहीं नई दिल्ली में हुए सर्वदलीय बैठक में सरकार के साथ देश के लिए भी डटकर खड़ी हैं। इन सबके बीच सियासी चर्चा भी आम है। राहुल गांधी के विदेश दौर पर महाराष्ट्र चुनाव के मद्दे नजर बयान पर रार मची है। तो राज व उद्धव ठाकरे के करीब आने को लेकर भी कोहराम मचा है। वहीं शरद पवार व अजित पवार की मुलाकातें भी संर्खियों में हिचकोले ले रहीं हैं। कुल मिलाकर महाराष्ट्र में चुनाव के खत्म होने के इतने लंबे समय बाद सियासी बहस जारी है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को एक पखवाड़े में तीसरी बार मंच साझा किया। इस बार यह कृषि और चीनी उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर चर्चा करने के लिए था। पुणे के शिवाजीनगर स्थित चीनी आयुक्तालय में आयोजित यह बैठक डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चली और इसमें वसंतदादा चीनी संस्थान के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अजित पवार ने कहा कि बैठक में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिए एआई का लाभ उठाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, हमने चर्चा की कि कैसे एआई कृषि उत्पादन बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट जैसी फर्म इस क्षेत्र में पहल का समर्थन कर रही हैं। कृषि विभाग ने अपने कुछ चल रहे प्रयासों को भी साझा किया और चीनी उत्पादन को बेहतर बनाने के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की गई। हाल के हफ्तों में वरिष्ठ पवार के साथ उनकी तीसरी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, जिसकी शुरुआत उनके बेटे जय की सगाई से हुई थी, उपमुख्यमंत्री ने इन बैठकों के राजनीतिक महत्व को कमतर आंकते हुए कहा कि सगाई जैसे अवसरों पर परिवार एक साथ आते हैं, और उन्हें किसी अन्य परिप्रेक्ष्य से व्याख्या करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सीपीआई सांसद डी राजा ने कहा कि जब यह महाराष्ट्र के हित में है, तो वे दो अलग-अलग खेमों में क्यों हैं। उन्हें महाराष्ट्र के लोगों को यह बताना चाहिए कि वे वास्तव में क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख हैं, महाराष्ट्र में प्रतिद्वंद्वी गठबंधन का हिस्सा हैं, क्योंकि अजित पवार ने 2023 में अपने चाचा के खिलाफ विद्रोह किया था और तत्कालीन भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार ने हाल ही में सतारा में रयत शिक्षण संस्था में उनकी संयुक्त उपस्थिति पर भी टिप्पणी की, जहां उनके चाचा अध्यक्ष हैं और वह एक ट्रस्टी हैं।

राहुल गांधी के समर्थन में आए आदित्य ठाकरे

वर्ली से शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने सोमवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में सड़कों की खराब स्थिति की आलोचना की और चल रहे निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार एजेंसी पर घटिया परिणाम देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही ठाकरे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बोस्टन में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बारे में हाल ही में दिए गए बयान का समर्थन किया। गांधी का समर्थन करते हुए ठाकरे ने कहा, उनका बयान 100प्रतिशता सही है क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि चुनाव आयोग का संचालन भाजपा कार्यालय से होता है। ठाकरे ने कहा कि मानसून का मौसम नजदीक आने के कारण सड़कों की मरम्मत का काम बहुत देर से और खराब तरीके से किया जा रहा है। ठाकरे ने सड़कों की खराब हालत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैंने भविष्यवाणी की थी कि एजेंसी के कारण लोगों को परेशानी होगी। यह अब सच हो रहा है।आदित्य ठाकरे ने आगे कहा कि मानसून आने वाला है, लेकिन कंक्रीट का काम चल रहा है। ऐसा लग रहा है कि हम चांद पर खड़े हैं। यह सड़क 15 दिन पहले बनी है। इसकी गुणवत्ता खराब है। एजेंसी ने केवल पैसे ऐंठने के लिए काम शुरू किया है। उन्होंने ठेकेदारों के प्रति जवाबदेही की कमी पर निराशा व्यक्त की और सवाल किया कि अधिकारी उनके घटिया काम के लिए उनके खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई कब की जाएगी... ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई कब की जाएगी? नाला साफ नहीं हुआ, लेकिन खजाना साफ हो गया है। विधायक ने शहर की नदियों की स्थिति पर भी चिंता जताई और पोइसर और मीठी नदियों को पर्यावरण की अनदेखी का उदाहरण बताया। उन्होंने आग्रह किया, पोइसर नदी की एक तस्वीर सामने आई है। मीठी नदी भी गंदी है। नगर निगम को मानसून से पहले इस संबंध में बैठक करनी चाहिए।

राहुल गांधी पर भड़के देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया, जब कांग्रेस नेता ने बोस्टन में एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है कि राहुल गांधी विदेश जाकर इस देश के संविधान द्वारा बनाई गई संस्थाओं के बारे में झूठ फैलाते हैं और उसे बदनाम करने की कोशिश करते हैं। वे लोकतंत्र पर सवाल उठाने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि बार-बार चुनाव हारने के बाद जो परिणाम उन्हें भुगतने पड़े हैं, उसके कारण ही वे ऐसी हरकतें कर रहे हैं। राहुल गांधी जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, उससे उनके चरित्र पर सवालिया निशान लग गया है। ऐसी हरकतें करने के बजाय अगर वे लोगों के बीच जाएं और लोगों का विश्वास वापस पाएं, तो वे चुनाव जीत सकेंगे। वे किसी को बदनाम करके चुनाव नहीं जीत सकते। अमेरिका के बोस्टन में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हमारे लिए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है, सिस्टम में कुछ बहुत गड़बड़ है।

राज को जवाब पर उद्धव पर नितेश राणे ने कसा तंज

महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने सवाल किया कि क्या शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के उस बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले पत्नी रश्मि ठाकरे से सलाह ली थी, जिससे दोनों चचेरे भाइयों के बीच सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। पिछले कुछ दिन में राज और उद्धव ने संभावित सुलह की अटकलों को हवा दी है और ऐसे बयान दिए हैं जिनसे संकेत मिलता है कि वे मामूली मुद्दों को नजरअंदाज करके महाराष्ट्र और मराठी मानुष के हित में हाथ मिला सकते हैं। राणे ने कहा, आपको उद्धव ठाकरे से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने मनसे के साथ हाथ मिलाने से पहले रश्मि ठाकरे की अनुमति ली है। ऐसे फैसलों में उनकी राय अधिक मायने रखती है। मंत्री ने आरोप लगाया कि यह रश्मि ठाकरे ने ही राज ठाकरे को शिवसेना से बाहर निकालने में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि उस समय दोनों चचेरे भाइयों के बीच कोई बड़ा मतभेद नहीं था। शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की संभावना पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जोरदार जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, इसलिए हम उनके बीच किसी गठबंधन को लेकर चिंतित नहीं हैं।

संजय राउत ने कहा, कोई औपचारिक गठबंधन नहीं

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा,अभी तक (मनसे और शिवसेना-यूबीटी के बीच) कोई गठबंधन नहीं है, केवल भावनात्मक बातचीत चल रही है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे भाई हैं। हम सालों से साथ हैं। हमारा रिश्ता नहीं टूटा है। (गठबंधन के बारे में) दोनों भाई फैसला करेंगे। हमने उद्धव जी की बात मान ली है। महाराष्ट्र के लिए, अगर हमें (मनसे और शिवसेना-यूबीटी) साथ आने की जरूरत पड़ी, तो हम साथ आएंगे। उद्धव जी ने कभी किसी नियम और शर्तों के बारे में बात नहीं की। उद्धव जी ने कहा कि कुछ दल हैं जो महाराष्ट्र के हितैषी होने का दावा करते हैं, लेकिन वे महाराष्ट्र के दुश्मन हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के गौरव पर हमला करने के लिए बालासाहेब की शिवसेना को तोड़ा और ऐसी पार्टियों से हमें कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, तभी हम सच्चे महाराष्ट्रियन हो सकते हैं और यह कोई शर्त नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लोगों की भावनाएं हैं और यही उद्धव जी ने कहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खूफिया कैमरे की तरह काम करता है सोशल मीडिया!

"सोशल मीडिया में समाज में संवाद बढ़े हैं। लोगों को अपनी बात रखने के लिए साथ में रखे मोबाइल का ही उपयोग करना होता है। एक तरह से वे खूफिया कैमरे हैं। उस पर हम अब अपनी बात को स्पष्ट रूप से कहने में नहीं झिझकते। इससे दिखावेबाजी बढ़ी है, मर्यादाओं का भी उल्लंघन हुआ है। सोशल मीडिया में विचारों का आदान-प्रदान त्वरित, वैश्विक और सरल हो गया है।

आज के दौर में सोशल मीडिया अपनी बात रखने का सबसे मजबूत प्लेटफार्म है। इसके द्वारा कोई भी घटना घटती है उसके पक्ष व विपक्ष में तेजी से प्रतिक्रिया आ जाती। इन माध्यमों का सबसे अधिक लाभ ये है कि हम सत्ता द्वारा छुपाए गए तथ्यों को तुरंत पकड़ लेते हैं और सरकारों को भी लताड़ देते हैं। सोशल मीडिया में समाज में संवाद बढ़े हैं। लोगों को अपनी बात रखने के लिए साथ में रखे मोबाइल का ही उपयोग करना होता है। एक तरह से वे खूफिया कैमरे हैं। उस पर हम अब अपनी बात को स्पष्ट रूप से कहने में नहीं झिझकते। इससे दिखावेबाजी बढ़ी है, मर्यादाओं का भी उल्लंघन हुआ है। सोशल मीडिया में विचारों का आदान-प्रदान त्वरित, वैश्विक और सरल हो गया है। लोगों को अपनी राय रखने, मुद्दों पर चर्चा करने और सामाजिक चेतना जगाने का सशक्त मंच मिला है। परंतु, इसके साथ ही अफवाहें फैलने, मतभेद बढ़ने और सतही संवाद का खतरा भी बढ़ा है। यह माध्यम जितना सशक्त है, उतनी ही जिम्मेदारी की अपेक्षा रखता है।

सोशल मीडिया ने संवाद की प्रकृति को काफी बदल दिया है। सूचनाएं, समाचार और विश्ललेषण का तेजी से प्रसार हो जाता है। उदाहरण के लिए, सरूद्धञ्ञश्श (समीटू) आंदोलन ने सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों लोगों को अपनी कहानियाँ साझा करने और सामाजिक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। यह भी सच है कि इससे गलत सूचनाएं, साइबरबुलिंग, निजता के हनन और गोपनीयता जैसे मुद्दों का भी प्रचार हो गया है। सूचना के सही या गलत होने का पता नहीं लगता। सोशल मीडिया ने संवाद को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन जिम्मेदार उपयोग और सूचना की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना आवश्यक है। सोशल मीडिया की वजह से समाज मे संवाद की स्थितियों मे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव आये हैं। लोगों के बीच घर बैठे अपनों से संवाद करने, रिश्तों को बनाये रखने में अहम भूमिका बनती जा रही है। नयी चीजों की जानकारियां आसानी से उपलब्ध हैं। इसका नकारात्मक पहलू यह है कि लोग सोशल मीडिया के एडिक्ट हो चले हैं। झूठी जानकारियों से भ्रम, डर और असंतोष पैदा हो रहा है। जिन्हें रोका जाना जरूरी है। सोशल मीडिया से संवाद की पहुंच हर जगह हो गई है। व्यक्ति न केवल अपने परिचितों से बल्कि विभिन्न पृष्ठभूमि और विचारों वाले अनगिनत लोगों से जुड़ सकता है। इसने भौगोलिक सीमाओं को तोड़ दिया है। सोशल मीडिया ने सार्वजनिक विमर्श के स्वरूप को बदल दिया है। अब राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चाएं ऑनलाइन मंचों पर होती हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग अपनी राय रखते हैं और बहस में भाग लेते हैं। इसने सामाजिक आंदोलनों को संगठित करने और जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल

विवेक काटजू

गत ? 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले से पूरा देश बहुत गुस्से और व्यथा में है। इस हमले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई। देश के समूचे राजनीतिक वर्ग ने इसकी निंदा की है, हालांकि कुछ विपक्षी दल यह मांग भी कर रहे हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेवार लोगों से जवाबतलबी हो। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी इस जघन्य कांड की भर्त्सना की है और महत्वपूर्ण देशों के नेताओं ने कहा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े हैं। हालांकि, इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है। पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां रक्षा कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया।

इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी। यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद। इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित है। जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर-तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है। इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा। अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नज़र बनाए रखी है।

वे भारत को तहरीक-ए-तालिबान-ए-पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं। इस सबके अलावा 11 मार्च को 'जाफर एक्सप्रेस' पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र हुआ। पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को 'फर्स्टपोस्ट' में एक लेख लिखा। इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है ='बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ 'खेल के नियम बदल गए हैं'। चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे 'हकदार' हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर'। पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है। भारत के खिलाफ यही करती आई है, वह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला। टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती। यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि 'माकूल

जवाब' देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में, जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि यह भारत का काम है। ऐसे में, संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे।

इसमें संदेह नहीं कि भारतीय नीति निर्माता इस बड़ी संभावना से अवगत रहे होंगे। भारतीय प्रतिष्ठान को यह खुला संदेश देना चाहिए कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित जवाब दिया जाएगा और यह भी कि स्थिति के आगे बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी उसकी होगी। यह अवसर बालाकोट हमले से अपनाए गए 'पूर्व-प्रतिक्रिया सिद्धांत' को दोहराने का एक उपयुक्त ढंग खोजने का भी है। अग्रणी एवं मित्र देशों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वे पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर तथा अन्य स्थानों पर प्रायोजित आतंकवाद से गर्मी बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दें।

न्याय की मजबूत बुनियाद से ही सशक्त लोकतंत्र

जयसिंह रावत

है। पुलिस, जो न्याय प्रक्रिया की पहली कड़ी होती है, वह खुद जवाबदेही और पारदर्शिता के संकट से जूझ रही है। रिपोर्ट बताती है कि कई राज्यों में पुलिस बल के 25-30 प्रतिशत तक पद खाली हैं। प्रशिक्षण की कमी, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और अत्यधिक कार्यभार के चलते पुलिसकर्मी थके हुए।वे कभी-कभी हिंसक व्यवहार करने लगते हैं।

न्याय किसी भी शासन-तंत्र का सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है। यदि समाज में न्याय ही सुनिश्चित न हो, तो लोकतंत्र, संविधान, और विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होते हैं। भारत न्याय रिपोर्ट 2025 ने देश की न्यायिक व्यवस्था की जो तस्वीर पेश की है, वह चौंकाने वाली है। यह रिपोर्ट चार स्तंभों, पुलिस, जेल, न्यायपालिका और कानूनी सहायता के प्रदर्शन के आधार पर राज्यों का आकलन करती है। रिपोर्ट बताती है कि आम भारतीय नागरिक को न्याय पाने के लिए आज भी लंबी, कठिन और कई बार अपमानजनक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। देश में मानवाधिकारों की स्थिति चिंताजनक बनती जा रही है। यह केवल अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों का कथन नहीं, बल्कि आंकड़ों से पुष्ट सच्चाई है। जेलों की हालत इतनी दयनीय है कि कई राज्यों की जेलों में 150 प्रतिशत से भी अधिक की कैदियों की भीड़ है।

इनमें से अधिकतर कैदी विचाराधीन हैं, यानी उन्हें किसी अदालत ने दोषी सिद्ध नहीं किया, फिर भी वे वर्षों से कारावास में हैं। यह स्थिति केवल कानून की विफलता नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का भी उल्लंघन है। पुलिस, जो न्याय प्रक्रिया की पहली कड़ी होती है, वह खुद जवाबदेही और पारदर्शिता के संकट से जूझ रही है। रिपोर्ट बताती है कि कई राज्यों में पुलिस बल के 25-30 प्रतिशत तक पद खाली हैं। प्रशिक्षण की कमी, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और अत्यधिक कार्यभार के चलते पुलिसकर्मी थके हुए। वे कभी-कभी हिंसक व्यवहार करने लगते हैं। अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों के प्रति पुलिस का रवैया अब भी कठोर और कई बार पक्षपातपूर्ण पाया गया है। जेलों में कैदियों की भीड़ और बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी के कारण जेलें सुधार गृह नहीं, बल्कि मानवाधिकार हनन के केंद्र बन गई हैं। मानसिक रूप से बीमार कैदी, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक पीड़ित हैं। मनोरोग विशेषज्ञों और परामर्शदाताओं की अनुपस्थिति, अत्यधिक गर्मी-सर्दी में राहत की व्यवस्था का अभाव और कानूनी सलाह की पहुंच न होना, इस स्थिति को और भी गंभीर बना देता है।

न्यायपालिका की स्थिति भी बेहतर नहीं कही जा सकती। करोड़ों मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। रिपोर्ट बताती है कि उच्च न्यायालयों और जिला अदालतों में जजों के लगभग 30 प्रतिशत पद रिक्त हैं। एक सामान्य नागरिक को अपना मुकदमा निपटाने में 10-15 वर्ष तक इंतजार करना पड़ता है। 'विलंबित न्याय, अन्याय होता है' यह कहावत अब भारत में कड़वी सच्चाई बन गई है। ई-कोर्ट्स और तकनीक आधारित समाधान का प्रसार अभी तक केवल कुछ मेट्रो शहरों तक सीमित है, जबकि दूरदराज के क्षेत्रों में लोग आज भी कागज और रजिस्टरों पर आधारित व्यवस्था से जूझ रहे हैं।

यदि सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की बात की जाए, तो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ का नाम विशेष रूप से सामने आता है। उत्तर प्रदेश में जेलों की अत्यधिक भीड़, पुलिस पर जवाबदेही की कमी, हिरासत में मौतें और लाखों लंबित मामले न्याय व्यवस्था की विसंगति को उजागर करते हैं। बिहार में प्रति लाख जनसंख्या पर जजों की संख्या सबसे कम है और कानूनी सहायता लगभग अनुपस्थित है। झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आदिवासी क्षेत्रों में फर्जी गिरफ्तारियां, पुलिस हिंसा और जेलों में वर्षों तक विचाराधीन कैदियों की उपस्थिति एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इनके विपरीत, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जिन्होंने न्यायिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए हैं। केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। इन राज्यों में पुलिस बल अपेक्षाकृत प्रशिक्षित और बहुभाषायी हैं, जजों की नियुक्ति समय पर होती है, कानूनी सहायता का ढांचा सक्रिय है और जेलों में भीड़ नियंत्रण में है। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो न्याय व्यवस्था को सुधारा जा सकता है। उत्तराखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि यहां भी न्यायिक ढांचे में कई कमियां हैं। पुलिस बल में 20 प्रतिशत रिक्तियां हैं, महिला पुलिस की भागीदारी बेहद कम है और जेलों में 120 प्रतिशत से अधिक कैदियों की भीड़ है। उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों में जजों के लगभग 30 प्रतिशत पद रिक्त हैं। सीमांत और पर्वतीय जिलों जैसे चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी में न तो प्रभावी कानूनी सहायता है और न ही नियमित न्यायिक सेवाएं। यह रिपोर्ट महज आंकड़ों का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें स्मरण कराती है कि यदि न्याय की नींव कमजोर होगी, तो लोकतंत्र की इमारत कभी टिक नहीं सकती। केवल चुनाव, योजनाएं और विकास के आंकड़े पर्याप्त नहीं, जब तक कि समाज का हर वर्ग न्याय तक सहज, सुरक्षित और सुलभ पहुंच न पाए।

सुबह नाश्ते में खाएं स्वादिष्ट और आसानी से बनने वाले ये पकवान

नाश्ता प्रोटीन, फाइबर, मिनरल्स और विटामिन से भरपूर हैवी होना चाहिए। क्योंकि हैवी नाश्ता करने से हमें दिन भर काम करने की एनर्जी मिलती है और हम आलस महसूस नहीं करते हैं। वहीं रात का खाना जितना ज्यादा हल्का खाते हैं उतनी ही हमारी सेहत अच्छी रहती है। लेकिन सुबह के वक्त लोगों को नाश्ता बनाने का समय नहीं होता और भागदौड़ में वह कुछ भी खा कर अपने दिन की शुरुआत कर लेते हैं। जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक है। अगर आप भी अपने आपको सेहतमंद रखना चाहते हैं तो नाश्ते में हेल्दी खाएं। ऐसे में अच्छा और स्वादिष्ट नाश्ते के ये पांच विकल्प हैं जिन्हें बनाना भी आसान होता है, और ये खाने में भी स्वादिष्ट लगते हैं।

सूजी का उत्तपम

सुबह के नाश्ते में अगर आपको सूजी का उत्तपम बनाना है तो इसके लिए आपको सिर्फ 15 मिनट की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए 1 कप सूजी, ½ कप दही, ½ कप पानी, 1 बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च और नमक और हरी मिर्च की जरूरत पड़ेगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले सूजी, दही और पानी को मिलाकर 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसमें सब्जियां और मसाले मिलाकर बैटर तैयार करें। अब तवे पर थोड़ा तेल डालकर उत्तपम फैलाएं और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें। उत्तपम को गरम ही परोसें।

वेज सैंडविच

कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं, जो पैक करके ले जाएं और रास्ते में खाया जा सके तो वेज सैंडविच बनाएं। इसके लिए प्याज, टमाटर, खीरे और ब्रेड की जरूरत पड़ेगी। अपने हिसाब से व्हाइट या ब्राउन ब्रेड लें और उसके पहले स्लाइस पर चटनी लगाएं। इसके बाद उस पर टमाटर, खीरे और प्याज का एक-एक स्लाइस लगाएं। उसके ऊपर हल्की काली मिर्च और नमक डालें। चाहें तो उपर वाली ब्रेड स्लाइस पर टौमेटो केचअप लगाएं और सैंडविच को बंद कर दें। अपनी पसंद के हिसाब से इसे ग्रिल कर ले, नहीं तो ऐसे भी इसका सेवन कर सकते हैं।

बेसन का चीला

सुबह अगर आपको बेसन का चीला खाना है तो इसे बनाने में सिर्फ 15 मिनट का समय लगता है। इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ बेसन, नमक, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, हल्दी और धनिया पत्ती की जरूरत पड़ेगी। इसे तैयार करने के लिए बेसन में पानी डालकर पतला बैटर बना लें। उसमें सब्जियां और मसाले डालें। अब तवे पर हल्का तेल डालकर चीला बनाएं और दोनों तरफ से सेकें। इसे भी गरम ही परोसना है।

ब्रेड पोहा

कई बार एक ही फूड आइटम को खाकर मन ऊब जाता है और लोग नाश्ता स्किप कर देते हैं। हालांकि, कुछ लोग पोहा भी सुबह के समय बनाना पसंद करते हैं। वैसे, अब तक आपने चिड़वा से पोहा बनाया होगा, लेकिन आप ने ब्रेड से पोहा नहीं बनाया होगा। ब्रेड पोहा खाने में जितना स्वादिष्ट होता है, उतना ही इसे बनाना आसान होता है। इसे बनाने के लिए आपको 4 ब्रेड स्लाइस, 1 प्याज, 1 टमाटर, 1 हरी मिर्च, ½ चम्मच हल्दी और लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच तेल और थोड़ा सा धनिया पत्ती की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए एक पैन में तेल गरम करें, उसमें राई और करी पत्ते डालें। प्याज और हरी मिर्च भूनें, फिर टमाटर और मसाले डालें। ब्रेड के टुकड़े डालकर हल्का मिलाएं और ऊपर से नींबू निचोड़ें। ऊपर से इसमें हरा धनिया डालकर परोसें।

बनाना शेक

कुछ हेल्दी बनाना चाहते हैं तो बनाना शेक एक हेल्दी विकल्प है। ये उन लोगों के बेहतर विकल्प है, जो हेल्दी नाश्ता करना पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए 2 केले, 1 कप दूध, 1 चम्मच शहद की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सभी चीजों को मिक्सी में डालकर ब्लेंड करें। चाहें को इसमें आइस क्यूब डालें और फिर परोसें।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

पत्नी- हाय राम आपके सर से खून क्यों निकल रहा है? पति- अरे मेरे दोस्त ने ईंट मार दी, पत्नी - आप भी मार देते, आपके हाथ में कुछ नहीं था क्या? पति - मेरे हाथ में उसकी बीवी का हाथ था.. अब चेहरे से भी खून निकल रहा है?

पत्नी ने कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक्त तुम कहां थे?''प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

कहानी | लालची बिल्ली और बंदर

एक जंगल में सभी जानवर मिलजुल कर रहा करते थे। नियम का पालन करते और हर त्योहार साथ में मनाते थे। उन्हीं जानवरों में चीनी और मिनी नाम की दो बिल्लियां भी थीं। वे दोनों बहुत अच्छी सहेलियां थीं और एक दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ती थीं। सभी जानवर उनकी दोस्ती की सभी तारीफ किया करते थे। एक बार मिनी को किसी काम से बाजार जाना पड़ा, चीनी का अकेले मन नहीं लग रहा था, तो वो बाजार घूमने गयी। रास्ते में उसे एक रोटी का टुकड़ा मिला। वह घर में जैसे ही रोटी के टुकड़े को खाने वाली थी, तभी अचानक मिनी आ गई। मिनी ने पूछा चीनी हम तो सब कुछ बांटकर खाते हैं और तुम तो मेरे साथ ही खाना खाती थी। चीनी मन ही मन मिनी को कोसने लगी। इस पर चीनी ने हड़बड़ाहट में कहा कि अरे नहीं बहन मैं तो रोटी को आधा-आधा कर रही थी, ताकि हम दोनों को बराबर रोटी मिल सके। मिनी सब समझ गई थी लेकिन कुछ बोली नहीं। जैसे ही रोटी के टुकड़े हुए, मिनी चीख पड़ी कि मेरे हिस्से में कम रोटी आई है। रोटी चीनी को मिली थी इसलिए, वो उसे कम देना चाहती थी। फिर भी वो बोली कि रोटी तो बराबर ही दी है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और धीरे-धीरे यह बात पूरे जंगल में फैल गई। सभी जानवर उन दोनों को लड़ते हुए देख रहे थे। उसी समय वहां एक बंदर आया और उसने कहा कि मैं दोनों के बीच में बराबर रोटी बांट दूंगा। सभी जानवर बंदर की हां में हां मिलाने लगे। दोनों ने बंदर को रोटी दे दी। बंदर ने तराजू में रोटी के टुकड़े रख दिए। जिस तरफ वजन ज्यादा होता, वो उस तरफ की रोटी यह बोलकर खा लेता कि इस रोटी को दूसरी तरफ रखी रोटी के वजन के बराबर कर रहा हूं। वो जानबूझकर ज्यादा रोटी का टुकड़ा खा लेता, जिससे दूसरी तरफ की रोटी वजन में ज्यादा हो जाती। ऐसा करने से दोनों ओर रोटी के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े बचे। बिल्लियों ने जब इतनी कम रोटी देखी तो बोलने लगीं कि हमारी रोटी के टुकड़े वापस दे दो। हम बची हुई रोटी को आपस में बांट लेंगे। तब बंदर बोला कि अरे वाह, तुम दोनों बहुत चालाक हो। मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं दोगी क्या। ऐसा बोलकर बंदर दोनों पलड़ों में बची हुई रोटी के टुकड़ों को खाकर चला गया और दोनों बिल्लियां एक दूसरे का मुंह तांकती रह गईं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

सिनेमा हॉल आधे रेस्टोरेंट बन गए हैं : गजराज राव

पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड इंडस्ट्री मुश्किल वक्त से गुजर रही है। बड़ा बजट और बड़े नाम होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। ऐसे में अब बॉलीवुड के लिए ये लगातार चिंता की बात बनी हुई है। अब अभिनेता गजराज राव ने ऐसी परिस्थिति को लेकर अपने सुझाव दिए हैं, जिससे इस हालत में सुधार किया जा सकता है। ओटीटी की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र करते हुए अभिनेता ने कहा, डिजिटल क्रांति और ओटीटी प्लेटफॉर्म की बदौलत दुनिया भर की कहानियां और फिल्में जिन्हें हम पहले केवल फिल्म समारोहों या डीवीडी लाइब्रेरी में देखते थे, अब घर पर देख सकते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि लोगों के पास अब बहुत सारे विकल्प हैं, पहले विकल्प सीमित थे। अब अचानक ओटीटी के बाद ऐसा हो गया है कि आधा किलोमीटर का बुफे लगा हुआ है, तो दर्शकों के लिए बहुत अच्छी बात है कि उनको दुनिया भर की कहानियां देखने मिल रही हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप से उनकी उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। गजराज राव ने फिल्मों के महंगे टिकट को लेकर भी बात करते हुए कहा, सिनेमा मालिकों को कुछ सुविधाओं को कम करके टिकट की कीमतें कम करनी चाहिए ताकि मध्यम वर्ग के परिवार एक बार फिर सिनेमाघरों में लौट सकें। अगर हम चाहते हैं कि दर्शक सिनेमा हॉल में वापस आएं, तो टिकट की कीमतों में एक बड़े बदलाव की जरूरत है। सिनेमा हॉल आधे रेस्टोरेंट बन गए हैं। सिनेमा को सिनेमा जैसा महसूस होना चाहिए। कोई व्यवधान नहीं होना चाहिए। सिनेमा देखने का मतलब है एक अच्छी फिल्म, एक अच्छी कहानी और स्वादिष्ट पॉपकॉर्न। वहीं बॉलीवुड में अच्छी फिल्मों के न बनने पर गजराज राव ने कहा, मेरा मानना है कि हम फिल्म निर्माताओं पर ध्यान न देने या अच्छी फिल्में न बनाने का आरोप लगाने में बहुत जल्दी करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि कोई भी खराब फिल्म बनाना चाहता है और जानबूझकर अपने काम को नुकसान पहुंचाना चाहता है? कोई भी ऐसा नहीं करता। हर कोई कोशिश करता रहता है।

नारीवाद का मतलब है समानता : मालविका

साथ ही नहीं बॉलीवुड फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी अभिनेत्री मालविका मोहनन ने सिनेमा की दुनिया में नारीवाद को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि नारीवाद का मतलब है समानता। अभिनेत्री मालविका मोहनन ने एक इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री में महिला और परुषों की समानता के बारे में बात की। एक्ट्रेस से जब नारीवाद को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने इसके जवाब में कहा कि नारीवाद के बारे में लोग कई तरह का मतलब निकालते हैं। ऐसा कुछ नहीं है इसका सीधा सा मतलब है पुरुषों और महिलाओं में समानता। महिलाओं को सभी अधिकार मिलने चाहिए और उन्हें भी समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि वह उम्मीद करती है कि लोग महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से देखेंगे और इसे अपने जीवन में शामिल करेंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस ने महिलाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके साथ कॉलेज के दौरान कई लड़कियां पढ़ती थीं, लेकिन वो आज इंडस्ट्री में नहीं दिखती। इस बात पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें काम करने का मौका मिलना चाहिए और उनके लिए सुरक्षा जैसे मानकों पर इंडस्ट्री को ध्यान देना चाहिए। मालविका मोहनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 'बाहुबली' फेम अभिनेता प्रभास के साथ फिल्म 'राजा साहब' में नजर आएंगी। इसके अलावा कार्थी के साथ भी एक फिल्म 'सरदार 2' में नजर आएंगी। साथ ही वह इस समय मलयालम फिल्म 'हृदयपूर्वम' में मोहनलाल के साथ अभिनय कर रही हैं। मालविका और मोहनलाल के बीच उम्र का बहुत बड़ा अंतर है, जहां मालविका 31 वर्ष की हैं, तो मोहनलाल 64 साल के हैं। मोहनलाल के साथ फिल्म करके मालविका काफी खुश हैं।

बोलीं- महिलाओं को सभी अधिकार मिलने चाहिए

मोदी जी! पाक पर एक्शन लीजिए: मुकेश

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की घटना पर देश में उबाल है। फिल्मी सितारे भी इसकी निंदा कर रहे हैं और आतंकवाद के खात्मे के लिए सरकार से कठोर एक्शन की मांग कर रहे हैं। दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने आतंकी हमले की घटना पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया है। साथ ही अपने यूट्यूब चैनल से वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कठोर कदम उठाने की अपील की है। जानते हैं उन्होंने क्या कहा? मुकेश खन्ना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा किया है। उन्होंने आतंकी हमले की घटना के संदर्भ में लिखा है, मैं समझता था और कहता भी था कि आतंकवाद कोई जाति नहीं होता, लेकिन कल के पहलगाम घाटी के नरसंहार को देख सुन कर मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि होती है आतंकवाद की जाति। और वो तब, जब कोई कहता है कि तुम हमारे धर्म के नहीं तो तुम काफिर हो। अभिनेता ने आगे लिखा है, यह कई बार साबित हो चुका है कि आतंकवाद की जड़ें हमारे पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान में पनपी हैं। वर्षों से हमारे देश में घुसने की कोशिश की है उसने। अब उसने और विकराल रूप अख्तियार कर लिया। दोपहर की पाक धूप में नापाक हरकतें कर निहत्थे सैलानियों पर इसलिए गोलियां चला दीं कि वे उनके धर्म के नहीं थे। इससे ज्यादा घिनौनी और शर्मनाक बात और क्या हो सकती है। मुकेश खन्ना ने यूट्यूब पर वीडियो जारी कर कहा है, मुझे खुशी है कि ढाई घंटे की मीटिंग में पीएम मोदी जी, गृह मंत्री अमित शाह जी ने और सभी ने मिलकर बहुत बड़ा निर्णय लिया है। वह सीधा पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन ले रहे हैं। मैं उनके साथ हूं। एक्शन लीजिए। मिलिट्री एक्शन लेना है तो मिलिट्री एक्शन लीजिए। आप बहुत सक्षम हैं। बंद कर दीजिए उनकी इस तरह की हरकतों को, क्योंकि हम उन्हें बहुत सॉफ्टली ले रहे हैं। उनके ऊपर अटैक कीजिए। मुकेश खन्ना ने आगे कहा है, यह साफ हो गया है कि आतंकवाद कौन फैला रहा है? कहां से फैला रहा है? आज मैं यही कहूंगा कि यह हमारे हिंदू धर्म के ऊपर अटैक है। इसका जवाब दिया जाना चाहिए। मैं पीएम मोदी जी और सरकार से कहूंगा कि आगे बढ़िए और एक कठोर एक्शन लीजिए, जिससे इस तरह के आतंकवादी घुसना बंद हो जाएं। बहुत छोटे हैं वो हमारे से, कहां हिंदुस्तान है और कहां पाकिस्तान है..., सिर्फ बेवजह की एक झिझक बीच में थी कि उनके ऊपर अटैक करें या न करें। मुझसे पूछिए तो उनके ऊपर अटैक कीजिए।

बोले- धर्म पूछकर गोली मारी, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं

गायिका ने खोला खूबसूरती का घिनौना राज, पेशाब से धोती है मुंह

हर किसी की तमन्ना होती है कि वो देखने में खूबसूरत और जवां लगे। इसके लिए लोग तरह-तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। कोई कैमिकल बेस्ड चीजों का इस्तेमाल कर रहा है तो कोई सिर्फ नेचुरल चीज़ों पर ही भरोसा करते हैं। हालांकि आज हम आपको अब जिस महिला के बारे में बता रहे हैं, उसका ब्यूटी सीक्रेट सुनकर ही आपको घिन आने लगेगी। वो बात अलग है कि महिला को इससे कोई दिक्कत नहीं है। कोलंबिया की सिंगर कोरल कोस्टा कोई अनजाना नाम नहीं हैं। वो अपनी खूबसूरत त्वचा को लेकर भी जानी जाती है। हालांकि अब उसने अपने फॉलोअर्स को बताया कि वो अपनी त्वचा को खूबसूरत रखने के लिए एक ऐसी घिनौनी चीज़ का इस्तेमाल करती है, जिसके बारे में आप कल्पना भी नहीं कर सकते। चलिए आपको बताते हैं कि कोरल ऐसा क्या करती हैं, जो उनके फैंस को भी हैरान कर रहा है। कोरल कोस्टा को ऑनलाइन Koral the Diva के नाम से जाना जाता है। उसने हाल ही में अपनी स्वस्थ त्वचा का राज़ बताते हुए कहा कि वो इसके लिए कोई क्रीम-पाउडर नहीं बल्कि पेशाब का इस्तेमाल करती हैं। इसके लिए वो एक प्लास्टिक कप में अपनी पेशाब लेकर उसे चेहरे पर लगाती हैं। उनका दावा है कि उनकी स्वस्थ और चमकदार त्वचा का राज़ यही है। वो अपने वीडियो में देखने वालों को चेहरे पर यूरिन डालकर भी दिखाती हैं। उनके इस दावे के बाद तरह-तरह के कमेंट देखने को मिल रहे हैं। कोरल के इस वीडियो को उसके 4.6 लाख इंस्टाग्राम फॉलोअर्स और करीब 4 लाख फेसबुक फैंस ने देखा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि जिस टिप पर आप घृणा कर रहे हैं, उससे बहुत से लोग प्रभावित भी दिखे। कुछ फॉलोअर्स ने तो यहां तक माना कि वो खुद भी चेहरे पर यूरिन लगाते हैं और उन्हें इसके अच्छे रिजल्ट मिले हैं। आपको बताते हैं कि इससे पहले मैक्सिकन एक्टर सेबेशन लिग्रेडने भी चेहरे पर यूरिन लगाने की टिप शेयर कर चुके हैं।

अजब-गजब | पेड़ से बह रही पानी की धार

दूर-दूर से देखने के लिए आते हैं लोग

धरती रहस्यों से भरी हुई है। कई जगह आपको चमत्कारिक चीजें देखने को मिल जाती हैं। जब से सोशल मीडिया का जमाना आया है, हम दुनियाभर की ऐसी चीजें देखकर आश्चर्य से भर जाते हैं। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक पेड़ से पानी की तेज धार बहती हुई दिख रही है। लोग इसे एक जादुई पेड़ कह सकते हैं तो कुछ लोग इसे चमत्कार, लेकिन वास्तविक तौर पर इसे देखकर हर कोई हैरान हैं। दुनियाभर से लोग इसे देखने के लिए आते हैं। दरअसल, मोंटेनेग्रो के डिनोसा गांव में लगभग 150 साल पुराना एक पुराना शहतूत का पेड़ है। इस पेड़ से 1990 के दशक से पानी बह रहा है। जैसे ही भारी बारिश होती है, पानी फव्वारे की शक्ल में बाहर आने लगता है। हम सब जानते हैं कि जीवित पेड़ों से पानी नहीं निकलता। तो आखिर ये है क्या? जब हमने इसकी छानबीन शुरू की तो पता चला कि घास के जिस मैदान में शहतूत का यह पेड़ उगा हुआ है, वहां कई भूमिगत झरने हैं। जब भी भारी बारिश होती है तो उनमें ओवरफ्लो होने लगता है। यही पानी अतिरिक्त दबाव की वजह से पेड़ के खोखले तने के माध्यम से पंप होने लगता है। अक्सर दबाव इतना ज्यादा होता है कि यह पंपिंगसेट की तरह धार फेंकने लगता है, और एक छेद से बाहर निकलने लगता है। एक-दो साल से नहीं, बल्कि ऐसा पिछले 20 से 25 वर्षों से हो रहा है। ऑड सिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासी अमीर हकमराज ने रेडियोफ्री यूरोप को इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा, यह पेड़ 150 साल पुराना है। यह पूरी तरह प्राकृतिक चीज है। इसे इंसानों ने खुद नहीं बनाया। जमीन से लगभग 1.5 मीटर की ऊंचाई पर पेड़ के तने से पानी गिरने लगता है। यह भगवान या फिर नेचर का गिफ्ट है। इसी तरह की एक घटना एस्टोनियाई शहर तुहाला में भी देखी जा सकती है, जहां एक पुराने कुएं से पानी ओवरफ्लो होता रहता है। उसे चुड़ैलों का कुआं कहा जाता है। लोगों का कहना है कि चुड़ैल यहां पर शोर मचाती हैं, जिससे यह दुर्लभ घटना देखने को मिलती है। सोशल मीडिया साइट पर यह वीडियो @gunsnrosesgirlx एकाउंट से शेयर किया गया है। इसे अब तक 16 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। तमाम लोग इस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, यदि यह इंडोनेशिया में होता तो लोग इस पेड़ को पवित्र मानते, लेकिन मैं इस पेड़ को अपने घर के पास रखना पसंद करूंगा। मिनी फाउंटेन वाला एक पेड़। एक स्थानीय युवक ने लिखा, 20 साल पहले इससे पानी निकलता देखा गया, तब से यह लगातार जारी है।

'पीएम पहले भी पाक को दे चुके हैं धमकी'

» मोदी के आतंकवादियों को पकड़ने और दंडित करने संबंधी प्रण पर सीएम सिद्धरमैया ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस बयान पर कटाक्ष किया कि भारत पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। सिद्धरमैया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद भी ऐसा ही बयान दिया था। इस हमले में 40 से अधिक सैनिक मारे गए थे। सिद्धरमैया ने यहां कहा कि 2019 में भी उन्होंने यही बयान दिया था उसके बाद भी ऐसा हुआ। पुलवामा आतंकी हमले के बाद उन्होंने क्या कहा था? उस बयान के बाद पहलगाम में आतंकवादियों ने 27 लोगों की हत्या कर दी थी।

तब उन्होंने कहा था कि वह आतंकवाद का सफाया कर देंगे। क्या हुआ? 'एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक में क्या हुआ। उन्होंने कहा, मेरे आस-पास बहुत सारे लोग थे और मुझे ठीक से कुछ समझ नहीं आया।'' सिद्धरमैया ने आरोप लगाया, यह केंद्रीय खुफिया (तंत्र की) विफलता है।

रेवंत ने भी किया ओवैसी का समर्थन, बोले- मोदी पीओके को भारत में मिलाएं

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करने और पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में विलय करने का आग्रह किया है।ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम आपसे आगे बढ़ने का आग्रह करते हैं। हम, 140 करोड़ भारतीय, आपके साथ खड़े होंगे। पाकिस्तान को दो टुकड़ों में बांट दो और पीओके को भारत में मिला लो, हम सब तुम्हारे साथ हैं। एएनआई को दिए बयान में रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमलों के विरोध में हैदराबाद में एक कैंडल मार्च में अपने भाषण के दौरान यह बात कही। ऐसे समय में जब आतंकवादियों ने हमारे साथी नागरिकों पर हमला किया है, देश के सभी 140 करोड़ लोगों ने इस हमले को दिल से लिया है। अब इस हमले का कड़ा जवाब देने का समय है। तेलंगाना राज्य से 4 करोड़ लोग और दुनिया के कम से कम 100 देशों के प्रतिनिधि एक साथ खड़े हैं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। हम इस लड़ाई में अपने प्रधानमंत्री का समर्थन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जी, 1967 में जब हमारे चीन ने हमला किया तो इंदिरा जी ने मजबूती से जवाब दिया। फिर 1971 में जब पाकिस्तान ने हमला किया तो इंदिरा जी ने मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश का निर्माण किया।

पाक को जवाबी हमले का उचित समय: ओवैसी

अब पाकिस्तान को उसकी हरकतों के लिए जवाबी हमला करने का समय आ गया है। हमें निर्णायक कदम उठाने होंगे - बातचीत का समय खत्म हो चुका है। अब उचित जवाब देने का समय आ गया है। मार्च में भाग लेने वाले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट किया, हम सभी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। बता दें कि इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत पहलगाम नरसंहार में शामिल प्रत्येक आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा तथा हत्यारों का पीछा दुनिया के अंत तक करेगा। मोदी ने बिहार के मधुबनी में कहा, दोस्तों, आज बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया से कहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उसके समर्थकों की पहचान करेगा, उन्हें ट्रैक करेगा और उन्हें दंडित करेगा। हम उन्हें धरती के छोर तक खदेड़ देंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी।

आतंकवादी हमले से ध्यान भटकाने की कोशिश : शर्मिला

आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाई एस शर्मिला ने कहा है कि पहलगाम आतंकवादी हमला ''लापरवाही एवं सुरक्षा संबंधी विफलता'' का परिणाम है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बात से लोगों का ध्यान ''भटका रही है।' शर्मिला ने आतंकवादियों द्वारा मारे गए 26 लोगों के परिवारों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए मोमबत्ती जलाकर रैली निकाली। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर यह धारणा बनाने का आरोप लगाया कि एक धर्म पर हमला किया जा रहा है। शर्मिला ने कहा, ''यह हमारे देश पर हमला है...और इसके पीछे लापरवाही एवं सुरक्षा संबंधी विफलता है। भाजपा इस बात से ध्यान भटकाना चाहती है।'' मृतकों में मुसलमान भी शामिल थे।कांग्रेस नेता ने कहा कि यह किसी एक धर्म पर नहीं बल्कि भारत पर हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा ''यह विमर्श गढ़ रही है कि यह हमला किसी एक धर्म के खिलाफ है।'' उन्होंने इसे दुखद बताया।

अपनी जुबान पर काबू रखें: यामिनी

भाजपा नेता एस यामिनी शर्मा ने शर्मिला की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उन्हें ''अपनी जुबान पर काबू रखने'' को कहा। शर्मा ने उन्हें इस मुद्दे पर उनके साथ बहस करने की चुनौती दी कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की तुलना में भाजपा सरकार में देश कितना ''सुरक्षित'' है। शर्मा ने कहा, ''बीते 10 साल में भाजपा ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं कि देश में कोई आतंकवादी हमला न हो।'' उन्होंने कहा कि जब पूरा देश शोक में है, तब एपीसीसी अध्यक्ष ''निंदनीय टिप्पणी'' कर रही हैं।

प्लेऑफ की रेस से चेन्नई और राजस्थान बाहर

» अंकतालिका में गुजरात, दिल्ली, आरसबी और मुम्बई टॉप फोर में मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। जिसके चलते सीएसके और आरआर प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। पिछले 2-3 सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरूरत होती है। चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ने अभी तक 9 मैच खेले हैं और 7 में हार का सामना करना पड़ा है।

अगर ये दोनों टीमें बाकी बचे 5 मुकाबले जीत भी जाते हैं तो भी उनका सफर 14 अंकों पर समाप्त हो जाएगा। तो भी वह 16 अंक से दो अंक पीछे रह जाएंगे। भले ही आधिकारिक तौर पर दोनों प्लेऑफ से बाहर नहीं हुए हैं, लेकिन उनकी किस्मत अब उनके हाथों में नहीं है। बता दें एमएस धोनी की अगुवाई वाली टीम ने आईपीएल 2025 में अभी तक 4 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल पर 10वें स्थान पर हैं। वहीं, राजस्थान रायल्स अंकतालिका में नौंवे स्थान पर है। वहीं आईपीएल 2025 के पॉइंट्स टेबल की बात करें तो 8 मैचों में 6 जीत और बेहतर नेट रनरेट के कारण गुजरात टाइटंस 12 अंकों के साथ शिखर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के भी 12 अंक हैं लेकिन उनका नेट रनरेट गुजरात से कम है और इसलिए वो दूसरे पायदान पर हैं। आरसीबी तीसरे और मुंबई इंडियंस चौथे स्थान पर है। वहीं पंजाब आठ मैच में पांच जीत के साथ पांचवे और लखनऊ नौ मैच में पांच जीत के साथ छठे स्थान पर बरकरार है।

चेपॉक पर हैदराबाद की पहली जीत, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

चेन्नई। हर्षल पटेल की घातक गेंदबाजी और ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हरा दिया। यह हैदराबाद की चेपॉक में पहली जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में 10 विकेट खोकर 154 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। हैदराबाद इस जीत के साथ अंक तालिका में एक स्थान की छलांग लगाकर आठवें पायदान पर पहुंच गया है। नौ मैचों में तीन मैच जीत चुकी पैट कमिंस की टीम के खाते में छह अंक हैं। इस जीत के साथ हैदराबाद की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं।

'लालू-नीतीश नहीं, बच्चों का चेहरा देख दें वोट'

» जनसुराज के अध्यक्ष पीके बोले- मैने कई बड़े नेता बनाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवादा। जनसुराज यात्रा के तहत प्रशांत किशोर नवादा पहुंचे। हिसुआ प्रखंड के जीवन पब्लिक स्कूल मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में हजारों लोग जुटे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम वोट मांगने नहीं आए हैं। हमने जिस पार्टी जिस नेता के लिए काम किया, अपना कंधा लगाया वह सब आज बड़े नेता बन चुके हैं। देश में 10 राज्यों में मुख्यमंत्री बनाया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार इन सभी के लिए अपना कंधा लगाया। मेरे दादा जी मजदूरी करते थे और मेरे पिताजी सरकारी डॉक्टर थे।

मैं भी सरकारी स्कूल में वहीं बोरा वाला स्कूल में पढ़कर यहां तक पहुंचा हूं। मैं अपनी सुख सुविधा छोड़कर बिहार के बच्चों के भलाई के लिए, बिहार में बदलाव के लिए

गांव-गांव घूम रहा हूं। उन्होंने कहा कि आप इतने दिनों से वोट कर रहे हैं, आपके बच्चे का आज तक नहीं बदला। आपने 15 साल लालू और 19 साल से नीतीश कुमार और भाजपा को वोट किया। बिहार के बच्चों को क्या मिला है। आप सभी अपने बच्चों के खुशहाली के लिए अपने लिए वोट करें। सभा में उन्होंने रोजगार और शिक्षा को लेकर बड़े ऐलान किए। कहा कि इस साल छठ के बाद नवादा के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की नौकरी के लिए घर-परिवार छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें बिहार में ही रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। साथ ही कहा कि जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं होता, तब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं। उनकी फीस सरकार भरेगी। ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके।

बिहार में रिश्वत से लोग परेशान

उन्होंने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनवाने से लेकर जमीन की रसीद कटवाने तक के लिए रिश्वत लेते हैं। आम लोग परेशान हैं। अगली बार वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं, अपने बच्चों का चेहरा देखकर दें। प्रशांत किशोर ने कहा कि हिसुआ की जनता को अब ऐसे नेताओं को वोट नहीं देना चाहिए जो उन्हें और उनके बच्चों को लूटते हैं। उन्होंने कहा कि अगली बार वोट देकर बिहार में जनता का राज स्थापित करें।

यूपी बोर्ड में रितीश और सफल ने झंडा किया बुलंद

» एलपीएस के विद्यार्थियों का लखनऊ जिले में दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के परीक्षा परिणाम में लखनऊ पब्लिक कॉलेज बी- ब्लाक, राजाजीपुरम के हाईस्कूल के 47 विद्यार्थियों में 6 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक व इण्टर में 59 छात्र-छात्राओं में 8 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

हाईस्कूल में रितीश कुमार व सफल मिश्रा ने संयुक्त रुप से 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लखनऊ जिले में प्रथम स्थान, श्रेयांस अस्थाना

(94.83प्रतिशत) जिले में दूसरा, यशी सक्सेना (94.5प्रतिशत) जिले में तीसरा तथा ओम कुमार ने (94.33प्रतिशत) प्राप्त कर जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं इण्टर में सचिन रावत ने 89.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लखनऊ जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया।

एकजुट होकर आतंकियों को परास्त करेंगे सभी भारतीय : राहुल गांधी

» श्रीनगर में नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकार के हर कदम के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बीते दिन जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी उन्होंने श्रीनगर में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर ने आतंकवादी हमले की निंदा की, राष्ट्र का पूरा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ घायलों से मुलाकात की, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एकजुट विपक्ष इस कार्रवाई की निंदा करता है, जो भी कार्रवाई की जाएगी हम उसका समर्थन करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी भारतीय एकजुट हों, ताकि हम आतंकवादियों और उनके इरादों को परास्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट होकर खड़ा हो, साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को परास्त कर सकें। यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं और मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट होकर इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें

एलजी व सीएम से मिले कांग्रेस सांसद

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की, और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी, और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक कार्रवाई की निंदा की है और उन्होंने राष्ट्र का पूरा समर्थन किया है। मैंने घायल हुए लोगों में से एक से मुलाकात की। लोगों के प्रति है जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है, और मैं चाहता हूँ कि सभी को पता चले कि पूरा देश एक साथ खड़ा है। कल हमने सरकार के साथ बैठक की, और संयुक्त विपक्ष ने इस कार्रवाई की निंदा की और कहा कि हम सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। जो कुछ हुआ है उसके पीछे समाज को विभाजित करने, भाई को भाई से लड़ाने का विचार है। और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो, एक साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को विफल कर सकें। और आतंकवाद को हमेशा के लिए परास्त करें।

देश की सुरक्षा पर कोई टिप्पणी नहीं : तेजस्वी

» आतंकी हमले के विरोध में सड़क पर उतरे इंडिया गठबंधन के नेता

» राजद नेता बोले- हम लोग सरकार के साथ, कार्रवाई करें प्रधानमंत्री मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में शुक्रवार देर शाम पटना में इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं सड़क पर उतरे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विपक्ष के सभी नेताओं ने कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी, शकील अहमद, अब्दुल बारी सिद्दीकी, राजेश राम सहित अन्य नेताओं ने प्रदर्शन किया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि आतंकवादियों ने जिस प्रकार से हमारे भाइयों पर गोलियां चलाकर उनकी जिंदगी छीनी है, वह काफी दुखद है। अपने शहीद भाइयों को श्रद्धांजलि देने के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट हुआ है। हमलोगों ने इनकम टैक्स से डाक बंगला चौराहा तक कैंडिल मार्च निकाला। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार जो भी कदम उठाएगी हमलोग उनके साथ है। इस वक्त पूरा देश एकजुट हैं। जो कार्रवाई भारत सरकार करेगी, हमलोग उसका समर्थन करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि आतंकवादियों को सरकार मुंहतोड़ जवाब दे। इस पर हमलोग कोई राजनीति नहीं करना चाहते हैं। देश की सुरक्षा को लेकर हमलोग चिंतित हैं। आगे इस मुद्दे पर हमलोगों टिप्पणी नहीं करना है। हमलोग सेना और केंद्र सरकार के साथ हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी साथियों को हमलोग धन्यवाद देते हैं कि आपलोग आतंकी हमले के खिलाफ इतनी बड़ी संख्या में एकजुट हुए।

पंजाब महिला आयोग ने कश्मीरी छात्रा के उत्पीड़न के आरोप पर लिया संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पुलिस उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर ने मोहाली के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया और बाहरी छात्रों की सुरक्षा के संबंध में उनके संकायों और प्रबंधन के साथ बैठकें कीं। कश्मीर की एक छात्रा ने दावा किया है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पंजाब के मोहाली में कुछ स्थानीय लोगों ने उसका उत्पीड़न किया, जिसके बाद पंजाब राज्य महिला आयोग ने घटना पर स्वत: संज्ञान लिया।

कश्मीरी छात्रा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को कुछ स्थानीय लोगों ने उसके और उसकी सहेली के साथ दुर्व्यवहार किया तथा उन्हें परेशान किया। आयोग की अध्यक्ष राज गिल ने मोहाली के एसएसपी दीपक पारीक को घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के लिए पत्र लिखा।

भजन सरकार के खिलाफ धरने से पीछे नहीं हटूंगा : हनुमान बेनीवाल

» खुफिया रिपोर्ट के हवाले से हनुमान की सुरक्षा बढ़ाई गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पेपर लीक को लेकर आज से जयपुर में आंदोलन शुरू करने जा रहे आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल की सुरक्षा को सरकार ने और कड़ा कर दिया है। इंटेलीजेंस ब्यूरो की खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर राज्य सरकार ने हनुमान बेनीवाल को जान का खतरा बताते हुए उनके घर के बाहर क्यूआरटी तैनात कर दी है।

सरकार के इस कदम पर हनुमान बेनीवाल का कहना है कि वे इससे घबराएंगे नहीं और जनता के मुद्दों को पहले की तरह जोर-शोर से उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे धरने में शामिल होंगे। गौरतलब है कि हनुमान बेनीवाल ने 2 दिन पहले ऐलान किया था कि 26 अप्रैल को जयपुर में पेपर लीक को लेकर बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा था कि आरएलपी सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द करवाने के लिए आंदोलन शुरू करेगी। इसके लिए जयपुर कमिश्नरेट के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। हनुमान सुबह 11:15 बजे इस धरने में शामिल हुए। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में धरना स्थल पर पहुंचें। हनुमान ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि जनता से किया अपना वादा भूल गई भाजपा। भाजपा ने राजस्थान के युवाओं के साथ विश्वासघात किया है।

हनुमान को मिला किरोड़ी का साथ

वहीं सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने भी हनुमान बेनीवाल के इस आंदोलन को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि वे युवाओं की आवाज उठाने का काम कर रहे हैं। यही नहीं किरोड़ीलाल मीणा के साथ पेपर लीक मामले में जो युवा नेता जुड़े हुए थे वे भी हनुमान बेनीवाल के साथ नजर आ रहे हैं।

वाह री लखनऊ पुलिस! सासंद का घर ही सुरक्षित नहीं

» वीआईपी इलाके में भाजपा नेता संजय सेठ के घर में चोरी

» डेढ़ लाख रुपये और गहने उठा ले गए चोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यसभा सदस्य संजय सेठ के घर से डेढ़ लाख रुपये और गहने चोरी। गौतमपल्ली कोतवाली में राज्यसभा सदस्य संजय सेठ के सुरक्षा अधिकारी ने चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। डेढ़ लाख रुपये और गहने चोरी करने का आरोप है शक चार नौकरों पर है।

विक्रमादित्य मार्ग पर राज्य सभा सदस्य संजय सेठ और शालीमार कार्प लिमिटेड की निदेशक पत्नी लीना का आवास है। इसकी देखरेख सिक्योरिटी अधिकारी राजेश कुमार सिंह करते हैं। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल की देर शाम लगभग 08:30 बजे पहुंचे तो लीना सेठ ने कहा कि दोपहर 1 बजे दिन आफिस शालीमार टाइटेनियम, शालीमार कार्पोरेशन विभूति खण्ड गई थीं। कुछ देर पहले लौटीं तो कमरे में रखी आलमारी की दराज से 500 के नोटों की एक गड्डी और सोने व हीरे के जेवर गायब थे। दराज पर कुछ निशान मिले इससे यह साफ है कि कोई नुकीली चीज डालकर दराज को खोलकर रुपये और एक पोटली में रखे सोने व हीरों के गहने चोरी किए गए हैं इससे पहले होली में भी दराज से 1 लाख रुपये गायब हुए थे। गौतमपल्ली पुलिस ने सिक्योरिटी अधिकारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कर ली है।

पिकप वाहन ने 6 सफाई कर्मियों को रौंदा, मौत

» नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा हुआ है, जिसमें 6 सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई नई दिल्ली है और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जिले में शनिवार सुबह हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया।

थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर इब्राहिमबास गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सफाई के काम में जुटे कर्मचारियों को टक्क र मार दी। इस भीषण हादसे में 6 सफाई कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। अचानक आई तेज रफ्तार पिकअप ने इन कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे इन्हें बचने का मौका ही नहीं मिला। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 कर्मचारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना इतनी भयावह थी कि इसकी खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और पिकअप ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की मदद से हादसे की पूरी परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा। प्रशासन ने हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात को नियंत्रित किया और घटनास्थल को खाली कराया. घायलों के इलाज और मृतकों के परिजनों को सूचित करने की प्रक्रिया जारी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।